

**Package of Practice**

Particular	English	Hindi
<b>Crop</b>	<b>Okra</b>	<b>Okra</b>
<b>Season/Region</b>	Summer, Rabi, Kharif as per Truthful Label	ग्रीष्म, रबी, खरीफ (दूधफुल लेबल के अनुसार)
<b>Land preparation</b>	Select medium to heavy soils with excellent drainage history. Prepare land by shallow plough. Put 4 MT FYM per acre before final harrow. Make ridges and barrow @ 45 cm apart.	मध्यम से भारी मिट्टी चुनें, जिसका जल निकासी का इतिहास अच्छा हो। खेत को उथली जुताई से तैयार करें। अंतिम हेरो से पहले प्रति एकड़ 4 मीट्रिक टन गोबर की खाद डालें। 45 सेमी की दूरी पर मेड़ और बैरो बनाएँ।
<b>Seed rate &amp; Method</b>	Seed Rate: 3 kg to 4 kg per acre. Sowing: Direct in main field.	बीज दर: 3 से 4 किलोग्राम प्रति एकड़। बुवाई: मुख्य खेत में सीधे।
<b>Spacing</b>	Spacing: Row to Row and Plant to Plant - 45 x 30 cm.	दूरी: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 45 x 30 सेमी.
<b>Harvest</b>	Generally harvesting starts at 40-45 days. To follow alternate day picking.	आमतौर पर कटाई 40-45 दिन बाद शुरू होती है। इसके बाद एक दिन छोड़कर दूसरे दिन कटाई करें।
<b>Expected Average Yield</b>	Average yield: 6-8 MT/acre ( depending on season and cultural practice).	औसत उपज: 6-8 मीट्रिक टन/एकड़ (मौसम और कृषि पद्धति पर निर्भर करता है)।
<b>Nutrient Management</b>	Total N:P:K requirement @ 98:80:80 kg per acre.  Dose & Timing: Basal Dose: Apply DAP as basal with FYM. Put Top Dressing at 15, 35, 55 days after sowing.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 98:80:80 किग्रा प्रति एकड़।  मात्रा और समय: बेसल खुराक: डीएपी को गोबर की खाद के साथ बेसल रूप में डालें। बुवाई के 15, 35, 55 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग करें।
<b>Pest &amp; Disease management</b>	For effective Disease & Pest control apply fungicide as per recommendation from the Department of Agriculture (plant protection) to control Damping off, Downey Mildew and other fungal diseases. Apply recommended insecticide to control sucking pest, fruit fly and any other insects.	प्रभावी रोग एवं कीट नियंत्रण के लिए, कृषि विभाग (पौध संरक्षण) की अनुशंसा के अनुसार डैमिंग ऑफ, डाउनी मिल्ड्यू और अन्य कवकीय रोगों को नियंत्रित करने के लिए कवकनाशी का प्रयोग करें। चूषक कीट, फल मक्खी और अन्य कीटों को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित कीटनाशक का प्रयोग करें।
<b>Weed Control - Chemicals with doses and timing</b>	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार हाथ से निराई की जा सकती है।
<b>Irrigation Schedule</b>	Irrigation Frequency Depends upon -  A. Soil type: Light soils need more frequency. Heavy soils needs less frequency.  B. Crop stage: Vegetative stage - maintain adequate moisture for development of roots. Flowering & fruiting - frequent and shallow irrigation. Harvesting - gradually reduce irrigation during harvesting.  C. Growing season: Summer - requires frequent irrigation. Winter- As against summer season, in winter the irrigation frequency is longer. Monsoon- very less frequency depending up on soil moisture.	सिंचाई की आवृत्ति इस पर निर्भर करती है -  क. मिट्टी का प्रकार: हल्की मिट्टी में अधिक बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। भारी मिट्टी में कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।  ख. फसल अवस्था: वानस्पतिक अवस्था - जड़ों के विकास के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखें। पुष्पन और फलन - बार-बार और उथली सिंचाई करें। कटाई - कटाई के दौरान सिंचाई धीरे-धीरे कम करें।  ग. उगने का मौसम: ग्रीष्म - बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। शीत ऋतु - ग्रीष्म ऋतु की तुलना में, शीत ऋतु में सिंचाई की आवृत्ति अधिक होती है। मानसून - मिट्टी की नमी के आधार पर बहुत कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।